>

Title: Need to enhance the Minimum Support Price and adequate storage facility for wheat in the country.

श्री आर.के.ि◌ंसह पटेल (बांदा): मैं सरकार का ध्यान अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय में आकृष्ट कराना चाहूंगा । शासन द्वारा गेहूं के समर्थन मूल्य में मामूली इजाफा किसानों को रास नहीं आ रहा है । इस वर्ष सरकारी क्रय केन्द्रों पर किसान 65 रूपये की बढ़त के साथ 1350 रूपये प्रति क्विंटल में गेहूं बेच सकेंगे । किसानों का कहना है कि तौल में नम्बर लगाने पर मालभाड़ा कभी-कभार दोगुना चुकाना पड़ता है । इससे तो घर में आढ़तियों के हाथ गेहूं बेचना बेहतर रहेगा । पिछले वर्ष किसानों का गेहूं 1285 रूपये प्रति क्विंटल खरीदा गया था, कुछ किसानों का कहना है कि एक क्विंटल गेहूं की कीमत से आज की महंगाई के दौर में एक माह की सब्जी, साबुन का खर्च पूरा नहीं होता । वाजिब समर्थन मूल्य न मिलने से गरीब किसानों को जीवन-यापन करने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है ।

साथ ही मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा कि गेहूं भंडारण के लिए गोदामों में पर्याप्त क्षमता न होने से पिछले वर्ष हजारों मीट्रिक टन गेहूं केन्द्रों के बाहर बारिश व धूप से बर्बाद हो गया । बावजूद इसके शासन-प्रशासन ने सबक नहीं लिया, जिसकी वजह से इस बार भी ऐसे ही आसार नजर आ रहे हैं ।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि उक्त समस्याओं की गंभीरता को समझते हुए, ठोस कदम उठाने का कष्ट करें ।